HINDI
(301)
Tutor Mark Assignment (TMA) 2019-20

Disclaimer/Special Note: These are just the sample of the Answers/Solutions to some of the Questions given in the Assignments. These Sample Answers/Solutions are prepared by Private Teacher/Tutors for the help and guidance of the student to get an idea of how he/she can answer the Questions given the Assignments. We do not claim 100% accuracy of these sample answers as these are based on the knowledge and capability of Private Teacher/Tutor. Student should must read and refer the official study material provided by the Board.

1. निम्नलिखित प्रश्नों को उत्तर लगभग 40–60 शब्दों में लिखिए।

(ख) . आप ने रैदास का पद "जिह कुल साधू बैस नो होई" पढ़ा। विभिन्न धर्मों, जातियों वाले हमारे देश के लिए इस पद की प्रासंगिकता स्पष्ट करें।

उत्तर – इस पद द्वारा संत रैदास यह प्रतिपादित करना चाहते हैं कि भक्ति मार्ग में जाति–पाँति का कोई बंधन नहीं होता। नीच कही जाने वाली जाति में जन्म लेने वाला व्यक्ति जिसके हृदय में प्रेम भक्ति का संचार है, वह उस ब्राह्मण से कहीं अधिक अच्छा है, जो भगवान की भक्ति के प्रति उदासीन है।हमारा दुर्भाग्य है कि हमारे देश के महापुरुष और संत अपने विषय में प्रायः मौन रहे। इससे उनकी गरिमा में सदैव वद्धि ही हुई। अतः संत किसी देश या जाति में नहीं, अपितु पूरे मानव समाज की अमूल्य संपत्ति होते हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रशन का उत्तर लगभग 40–60 शब्दों में दिजिए।

(ख) आपने 'अनपढ़ बनाए रखने की साजिश' पाठ पढ़ा। आपके मत में शिक्षा और साक्षरता के प्रसार के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए ?

उत्तर– शिक्षा और साक्षरता के प्रसार के लिए अनपढ़ युवाओं व किशोरों को भी साक्षर बनाने की ओर विशेष रूप से घ्यान देने की आवशयकता हैं। शिक्षा के प्रसार से ही समाज में ऊंच नीच और भेदभाव मिटाया जा सकता है। सरकार को समझना चाहिए कि यदि समाज के लोग पढ–लिखें होंगे, तो देश हर प्रकार से उन्नति करके, विश्व में अपना एक अलग स्थान बना पाएगा।